Dr. Chiranjeev Kr Thakur
Sociology

BA Part II (Soc/GEN)

Lecture II

निर्धनता को दूर करने के उपाय :

3) गरीबी हटाओ कार्यक्रम - यह नारा श्रीमती इंदिरा गांधी ने मार्च 1971 में चुनाव के समय गढ़ा था और निर्धनता को दूर करने के लिए बीस सूत्री कार्यक्रम बनाया था। इस समय इसी क्रम में राष्ट्रीय रोजगार गारंटी कार्यक्रम चल रहा है। वास्तव में यह नारा नया नहीं है। 1931 में जब भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी ने मूल अधिकारों पर प्रस्ताव पास किया था, तभी से कांग्रेस पार्टी ने इस नारे को अधिक महत्व दिया परन्तु कहां तक राजनीतिक पार्टियां निर्धनता को भारत से निष्कासित कर पायी है, यह इससे स्पष्ट है कि देश की 27% जनसंख्या अभी भी गरीबी रेखा से नीचे रह रही है, 20 लाख से अधिक व्यक्ति भिक्षा पर आश्रित हैं तथा 69000 व्यक्ति बड़े शहरों में अस्पतालों में अपना खून बेचकर जिंदा रह रहे हैं। क्या यह तथ्य गरीबी हटाओ के लक्ष्य को पूरा कर सिद्ध कर रहे हैं।

उपर्युक्त उपायों के अलावा भी अन्य उपाय राज्य सरकारों एवं केन्द्र सरकार द्वारा किए गए हैं, परन्तु फिर भी यह उपाय निर्धनता को रोकने के लिए पर्याप्त नहीं है। अतः

हमें कुछ अन्य उपायों पर सोचना होगा। इन उपायों को तीन समूहों में विभाजित किया जा सकता है।

1. जिनका श्रमिकों की मांग पर काफी प्रभाव पड़ता है।
2. जिनका श्रमिक नियुक्ता की मांग पर भी असर पड़ता है।
3. जो आय के स्थानांतरण पर निर्भर है।

कार्ल मार्क्स का कहना है कि उपभोग के साधनों का वितरण उत्पादन के साधनों के वितरण का ही परिणाम होता है.

इन दोनों बातों के आधार पर निम्न: 6 आय निर्धारता को निर्धारित करने के लिए सुझाये गए हैं -

a) भूमि पुनर्वितरण : इसके तरह भूमिहीन कृषि श्रमिकों और परिश्रम करने वाले कृषकों को मेहनत का फल मिल सके,

b) औद्योगिक एकाधिकार का निरसन - उद्योगों के और अधिक राष्ट्रीयकरण द्वारा उद्योगपतियों के एकाधिकार को समाप्त किया जा सकता है।

c) राष्ट्रीय आय निकास की पूंजबंदी - इस समय जो उच्च लाभांश रॉयल्टी आदि के रूप में राष्ट्रीय साधनों का वहन हो रहा है, उसको रोककर राष्ट्रीय आय के निकास को बंद किया जा सकता है।